गुरु नानक देव व्याख्यान माला का आयोजन

गुरु नानक कॉलेज के हिंदी विभाग ने बुधवार,10 सिंतबर 2025 को 'नागार्जुन के काव्य में सामाजिक चेतना' विषय पर गुरु नानक देव व्याख्यान माला का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत नागार्जुन की छायाचित्र पर पुष्प अर्पण से हुई। तत्पश्चात शासी निकाय के अध्यक्ष सरदार आर. एस. चहल सर ने मुख्य वक्ता प्रो. डॉ. विजय कुमार भारती, प्रोफेसर काजी नजरूल विश्वविद्यालय आसनसोल को फुलकारी शॉल, स्मृति चिह्न एवं नवांकुर पौधा देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में विशेष उपस्थिति शासी निकाय के अध्यक्ष, सरदार आर. एस. चहल सर एवं पूर्व प्राचार्य, गुरु नानक कॉलेज, श्री पूर्णेन्दु शेखर सर की रही और उन्हें भी नवांकुर पौधा भेंट करके सम्मानित किया गया। प्राचार्या प्रो. (डॉ.) रंजना दास मैडम ने स्वागत भाषण के साथ गुरु नानक देव लेक्चर सीरीज की महत्वपूर्ण श्रृंखला पर प्रकाश डाला। तत्पश्चात् प्रो. (डॉ.) विजय कुमार भारती ने अपने बीज वक्तव्य में 'नागार्जुन के काव्य में सामाजिक चेतना' विषय पर अत्यंत सूक्ष्मता से प्रकाश डाला। उन्होंने सामाजिक चेतना की निर्माण-प्रक्रिया को स्पष्ट करते हुए इसकी सूक्ष्म इकाई 'वैयक्तिक चेतना' को गढ़ने का सूत्र दिया। उन्होंने 'अकाल और उसके बाद', 'प्रेत का बयान', 'मंत्र', 'शासन की बंदूक' इत्यादि प्रसिद्ध कविता की पंक्तियों को उल्लेख करते हुए कवि-कर्म की महत्ता को उद्घाटित किया। समाज में 'प्रतिबद्धता' और 'समय के सत्य' पर विशेष रूप से विचारबद्ध होने के लिए प्रेरित किया। इसके पश्चात् प्रेरक उद्बोधन में शासी निकाय के अध्यक्ष सरदार आर. एस. चहल सर ने समाज के नवनिर्माण हेतु पुनर्विचार करके सामाजिक चेतना को आत्मसात करने की आवश्यकता है। ऐसा करने पर ही समाज अपनी सार्थकता को प्राप्त कर पाएगा।

कार्यक्रम का संचालन प्रो. सिमरन श्रीवास्तव ने और धन्यवाद ज्ञापन हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. सोनू प्र. यादव सर ने किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ। कार्यक्रम में प्रो. संतोष कुमार,प्रो. अमरजीत सिंह, प्रो. दीपक कुमार, प्रो. मीना मालखंडी, प्रो. वर्षा सिंह, प्रो. नीता ओझा प्रो. सरिता मद्धेशिया, प्रो. पुष्पा तिवार, प्रो. उदय सिन्हा, प्रो. स्नेहल गोस्वामी , प्रो. पीयूष अग्रवाल,प्रो. नमिता, प्रो. किरण सिंह, प्रो. सुरभि, प्रो.राशि, प्रो. एकता, प्रो. सपना, प्रो. सिमरन, प्रो. मनीषा, प्रो.मुकेश ,सुश्री नुसरत प्रवीण और अन्य शिक्षकेत्तर कर्मी एवं सम्मानित सदस्य उपस्थित थे।

Press Release

जीएन कॉलेज में व्याख्यानमाला का आयोजन

धनबाद. गुरु नानक कॉलेज के हिंदी विभाग ने बुधवार को 'नागार्जुन के काव्य में सामाजिक चेतना' विषय पर गुरु नानक देव व्याख्यानमाला का आयोजन किया. सर्वप्रथम नागार्जुन के चित्र पर पुष्पअर्पित किये गये. शासी निकाय के अध्यक्ष सरदार आरएस चहल ने मुख्य वक्ता प्रो डॉ विजय कुमार भारती को फुलकारी शॉल, स्मृति चिह्न और पौधा देकर सम्मानित किया. पूर्व प्राचार्य श्री पूर्णेंदु शेखर को पौधा देकर सम्मानित किया गया. प्राचार्या प्रो (डॉ.) रंजना दास ने स्वागत भाषण दिया. प्रो डॉ. विजय कुमार भारती ने वक्तव्य में सामाजिक चेतना की निर्माण प्रक्रिया और 'वैयक्तिक चेतना' पर प्रकाश डाला. उन्होंने 'अकाल और उसके बाद', 'प्रेत का बयान' जैसी कविताओं से उदाहरण दिये. श्री चहल ने समाज के नवनिर्माण के लिए सामाजिक चेतना अपनाने पर बल दिया. संचालन प्रो. सिमरन श्रीवास्तव और धन्यवाद ज्ञापन प्रो सोनू प्रसाद यादव ने किया. कार्यक्रम में कई शिक्षकों व कर्मचारियों ने भाग लिया.

धनबाद स्कूल ऑफ नर्सिंग ने मनाया पोषण दिवस

प्रभात खबर
Thursday, September 11, 2025
Dhanbad-City
https://epaper.prabhatkhabar.com/clip/68cled4efc16e091ec01bbe3

गुरुनानक कॉलेज में नागार्जुन याद किए गए

धनबाद। गुरुनानक कॉलेज के हिन्दी विभाग में बुधवार को नागार्जुन के काव्य में सामाजिक चेतना विषय पर गुरुनानक देव व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। नागार्जुन की छायाचित्र पर पुष्प अर्पण से शुरुआत हुई। काजी नजरुल विवि आसनसोल के प्रो विजय कुमार भारती ने सामाजिक चेतना की निर्माण-प्रक्रिया को स्पष्ट कर सूक्ष्म इकाई वैयक्तिक चेतना को गढ़ने का सूत्र दिया। शासी निकाय अध्यक्ष आरएस चहल ने कहा कि समाज के नवनिर्माण के लिए पुनर्विचार कर सामाजिक चेतना को आत्मसात करने की जरूरत है। हिन्दुस्तान

दैनिक भास्कर

धनबाद 11-09-2025

नागार्जुन के काव्य में सामाजिक चेतना पर व्याख्यान

एजुकेशनरिपोर्टर | धनबाद

गुरु नानक कॉलेज, धनबाद के हिंदी विभाग की ओर से बुधवार को नागार्जुन के काव्य में सामाजिक चेतना विषय पर गुरु नानक देव व्याख्यान माला का आयोजन हुआ। इसकी शुरुआत नागार्जुन की छायाचित्र पर पुष्प अर्पण से हुई। मुख्य वक्ता काजी नजरूल विश्वविद्यालय आसनसोल के डॉ. विजय कुमार भारती थे। उन्होंने नागार्जुन के काव्य में सामाजिक चेतना विषय पर अत्यंत सूक्ष्मता से प्रकाश डाला। शासी निकाय के अध्यक्ष सरदार आरएस चहल ने कहा कि समाज के नवनिर्माण के लिए पुनर्विचार कर सामाजिक चेतना को आत्मसात करने की जरूरत है। मौके पर पूर्व प्राचार्य पूर्णेन्दु शेखर, प्राचार्या प्रो. रंजना दास, प्रो. सिमरन श्रीवास्तव, प्रो. सोनू प्रसाद यादव, प्रो. संतोष कुमार, प्रो. अमरजीत सिंह, प्रो. दीपक कुमार, प्रो. मीना मालखंडी, प्रो. वर्षा सिंह, प्रो. नीता ओझा, प्रो. सरिता मद्धेशिया, प्रो. पुष्पा तिवारी आदि मौजूद थीं।

सामाजिक चेतना को वैयक्तिक जागृति की है आवश्यकता

जागरण संवाददाता, धनबाद : गुरु नानक कालेज के हिंदी विभाग की ओर से बुधवार को नागार्जुन के काव्य में सामाजिक चेतना विषय पर गुरु नानक देव व्याख्यान माला का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत नागार्जुन की छायाचित्र पर पुष्प अर्पण से हुई। शासी निकाय के अध्यक्ष सरदार राजिंदर सिंह चहल ने मुख्य वक्ता प्रो. डा. विजय कुमार भारती, प्रोफेसर काजी नजरूल विश्वविद्यालय आसनसोल को फुलकारी शाल, स्मृति चिह्न एवं नवांकुर पौधा देकर सम्मानित किया। गुरु नानक कालेज के पूर्व प्राचार्य पूर्णेंदु शेखर को भी नवांकुर पौधा भेंट किया। प्राचार्या प्रो. डा.रंजना दास ने स्वागत भाषण के साथ गुरु नानक देव लेक्चर सीरीज की महत्वपूर्ण श्रृंखला पर प्रकाश डाला। प्रो. डा.विजय कुमार भारती ने नागार्जुन के काव्य में सामाजिक चेतना विषय पर प्रकाश डाला। उन्होंने सामाजिक चेतना की निर्माण-प्रक्रिया को स्पष्ट करते हुए इसकी सूक्ष्म इकाई वैयक्तिक चेतना को गढ़ने का सूत्र दिया। अकाल और उसके बाद, प्रेत का बयान, मंत्र, शासन की बंदूक आदि प्रसिद्ध कविता की पंक्तियों को उल्लेख करते हुए कवि कर्म की महत्ता को उद्घाटित किया। शासी निकाय के अध्यक्ष राजिंदर सिंह चहल ने कहा समाज के नवनिर्माण के लिए पुनर्विचार करके सामाजिक चेतना को आत्मसात करने की आवश्यकता है।

प्रो. डा.विजय कुमार भारती को सम्मानित करते राजिंदर सिंह चहल